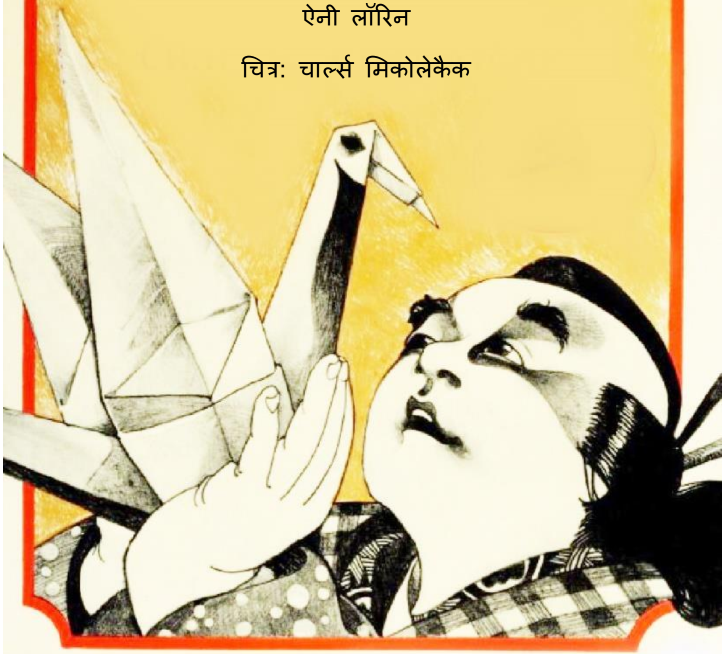
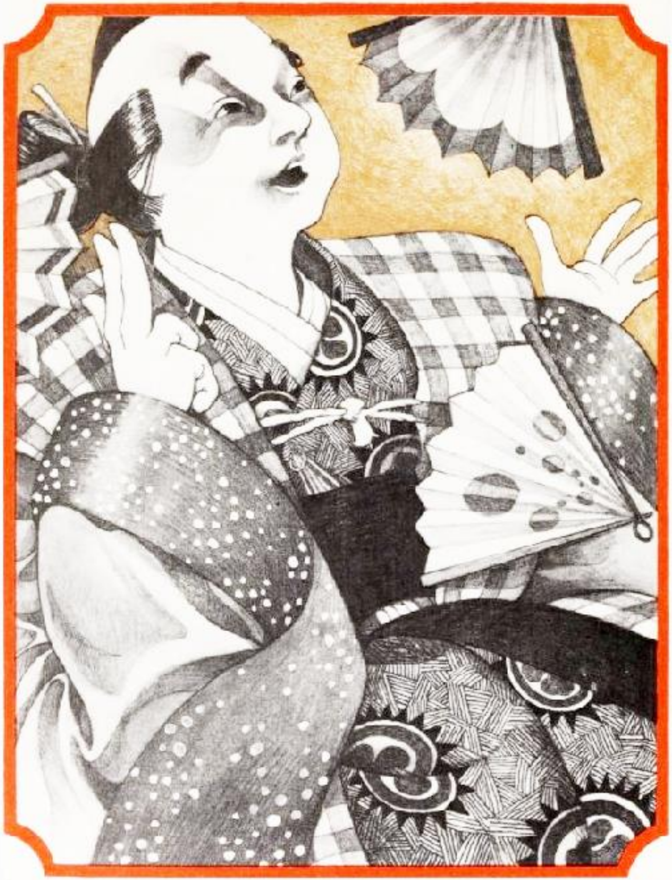
कागज़ का सारस पक्षी

ऐनी लॉरिन

चित्र: चार्ल्स मिकोलेकैक





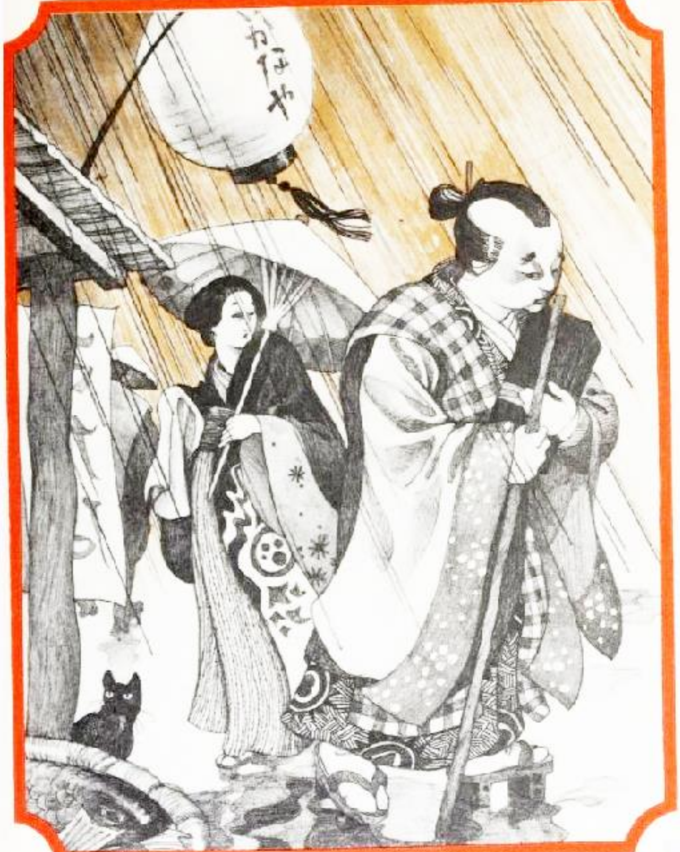


कोई भी हवा को नहीं पकड़ सकता, न ही कोई सूरज को पकड़ सकता, और न ही जादूगर की तरह कोई दुनिया को घुमा सकता है. कुछ लोग दूसरों की तुलना में अधिक शक्तिशाली होते हैं और कुछ लोग दूसरों की तुलना में अधिक दयालु होते हैं, लेकिन गामी से बड़ा जादूगर दूर-दूर तक नहीं था.



सैंडल और छपे कपड़े पहनकर गामी अपने शहर की सड़कों पर घूमता था. वो किसी से बातचीत नहीं करता था, क्योंकि वो मानता था कि केवल जादूगरों की ही, उसके जादू में रुचि होगी. नगरवासी यह नहीं जानते थे कि आखिर वो जादूगर क्या करता था. लोग कभी भी उसे परेशान नहीं करते थे. फिर भी अंदर से गामी हमेशा परेशान रहता था.





अपने घर में अकेले गामी दिन भर अपने जादू का अभ्यास करता था, और अपने मंत्रों का जाप करता था. लेकिन रात में वो चुपचाप बैठा रहता था. तब न तो उसके साथ हँसने के लिए कोई दोस्त होता, और न ही उससे बात करने के लिए कोई पड़ोसी होता. गामी के एकमात्र साथी उसके हाथ थे, जो चमकीले रंगीन कागजों को फूलों, मछलियों और चेहरों में मोड़ने में व्यस्त रहते थे. चमकीली नीली और लाल रंग की तितलियों ने उसकी दीवारों को ढँक दिया था, और नाजुक पक्षी उसकी खिड़कियों में तारों पर नृत्य करते थे. गामी ने उनपर अपना सारा प्यार उंडेला था, क्योंकि उसके पास और कोई नहीं था.



एक अंधेरी रात में गामी ने एक छींट वाले लाल कागज को मोड़कर एक लिली का चमकीला फूल बनाया. उसने फूल से कहा, "क्या तुम मेरे लिए नहीं खिलोगे और इस नीरस रात को खुश नहीं करोगे?" और फिर, क्योंकि गामी एक जादूगर था, छोटे से फूल ने तुरंत गामी के हाथ में अपनी पंखुड़ियाँ खोल दीं. गामी आश्चर्यचकित रह गया. उसने तमाम जादू किए थे, लेकिन उसने पहले कभी किसी कागज़ में जान नहीं फूंकी थी. अब वो सचमुच प्रसन्न था.



अगली रात गामी ने भारी हरे कागज की एक लालटेन मोड़ी. "प्यारी लालटेन," गामी ने कहा, "क्या तुम मेरे छोटे से घर को चमका कर रोशन नहीं करोगी?" और फिर, क्योंकि गामी एक जादूगर था, लालटेन जल उठी और चमकने लगी. उससे गामी इतना खुश हुआ कि उसे रात भर नींद नहीं आई.



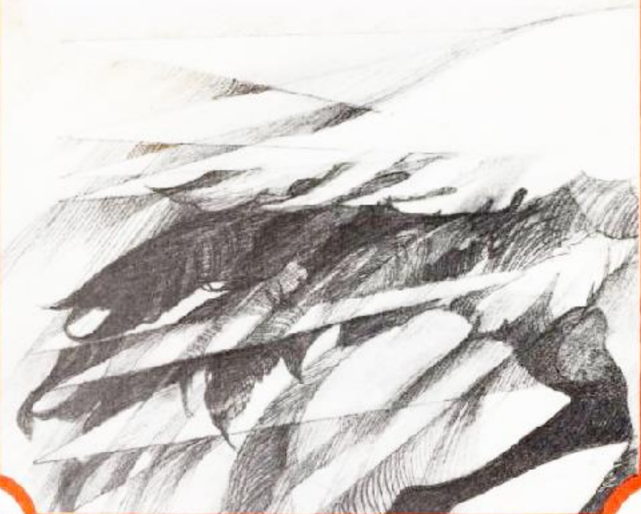
जब दिन निकला तो गामी सीधे बाज़ार गया और वहां से उसने सबसे बढ़िया चावल का कागज़, सबसे शुद्ध सफ़ेद रंग वाला कागज़ खरीदा. उसने उसे सावधानी से लपेटा और सुरक्षित रखने के लिए उसे अपनी आस्तीन में डाल लिया. अब गामी के दिमाग में एक विशेष योजना थी.

उस रात गामी ने वो सफ़ेद कागज़ खोला और उसने एक सारस पक्षी को मोड़ना शुरू किया. उसने पहले भी सारस पक्षी मोड़े थे, लेकिन इस सारस पक्षी को सबसे उत्तम होना था. उसने सावधानीपूर्वक कागज़ मोड़ने में कई घंटे बिताए. अंत में उसने तैयार कागज़ के पक्षी को फर्श पर रख दिया.

गामी ने पक्षी की प्रशंसा की. उसे लगा कि वो अब तक उसका मोड़ा हुआ सबसे सुंदर पक्षी था. और सच में उस बात में कोई संदेह नहीं था. "मैंने एक लालटेन में रोशनी फूंकी है में एक फूल को अपने जादू से खिलाया है." गामी ने कहा, "उत्तम सारस पक्षी, क्या तुम भी मेरे लिए जीवित नहीं होंगे ताकि मैं फिर कभी अकेला न रहूँ?"



धीरे-धीरे सारस फर्श से उठा और तब तक उड़ता रहा जब तक कि वो कागज का नहीं रह गया. अब वो एक असली सारस था. गामी ने अपना हाथ बढ़ाया और सारस धीरे से उसके हाथ पर उतरा. "आप मेरे पिता हैं." सारस ने कहा, "आपने मुझे जीवन दिया है और मैं आपका आभारी हूं." गामी का दिल खुशी से भर गया. वो यह जानकर अत्यंत खुश था कि वो फिर कभी अकेला नहीं रहेगा.





हर दिन गामी और उसका सारस शहर की यात्रा करते थे. लोग उन्हें अपनी खिड़कियों से बाहर देखते और उन्हें घूरते थे. लेकिन जल्द ही वे चुप नहीं रह पाए.

"तुम्हें वो पक्षी कहां मिला?" एक आदमी ने गामी से पूछा. "क्योंकि मैंने उस जैसा कोई दूसरा पक्षी कभी नहीं देखा है."

गामी ने उत्तर दिया, "असल में उसके जैसा कोई दूसरा पक्षी है भी नहीं."

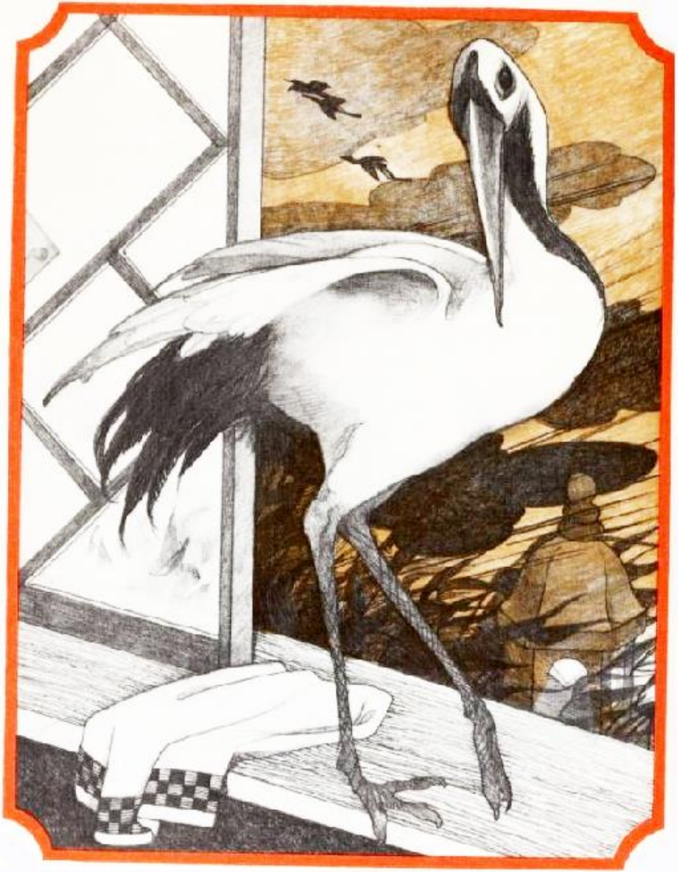
"जादूगर," एक महिला ने पूछा, "आप उस पक्षी को कहाँ से लाए जो आपके पीछे-पीछे घूमे और आपके साथ घर में रहे?"



"अपने जादू से," गामी ने उत्तर दिया. वो सिर्फ मुस्कुराया और उसने आगे कुछ नहीं कहा.

"वो जादूगर काफी काबिल लगता है," पड़ोसियों ने कहा. "वो हमारे अनुमान से कहीं अधिक चतुर है." फिर पड़ोसी पक्षी को देखने और जादूगर से बात करने के लिए एक-एक करके गामी के घर गए. गामी घंटों तक अपने पड़ोसियों के साथ बातें और मजाक करता रहता, जबकि सारस एक पैर पर खूबसूरती से संतुलित खड़ा रहता था.





फिर कई महीनों के बाद, जब सूरज की रोशनी कम होने लगी और हवा ठंडी होने लगी, तो सारस, गामी की खिड़की पर बैठ गया और बोला, "अब मेरे जाने का समय हो गया है."

"तुम्हारा क्या मतलब?" गामी ने पूछा "हमें कहीं नहीं जाना है."

सारस ने कहा, "मुझे झुंड में शामिल होना चाहिए और सूरज का अनुसरण करने के लिए उड़ना चाहिए. अब वो समय आ गया है."

"तुमने मुझे अपार ख़ुशी दी है," गामी ने जल्दी से कहा. "तुम्हारी वजह से ही मैंने अपने आस-पास तमाम दोस्तों को पाया है. तुम मुझे नहीं छोड़ सकते."

"आपने मुझे जीवन दिया है," सारस ने कहा, "लेकिन अब मैं यहाँ नहीं रह सकता."

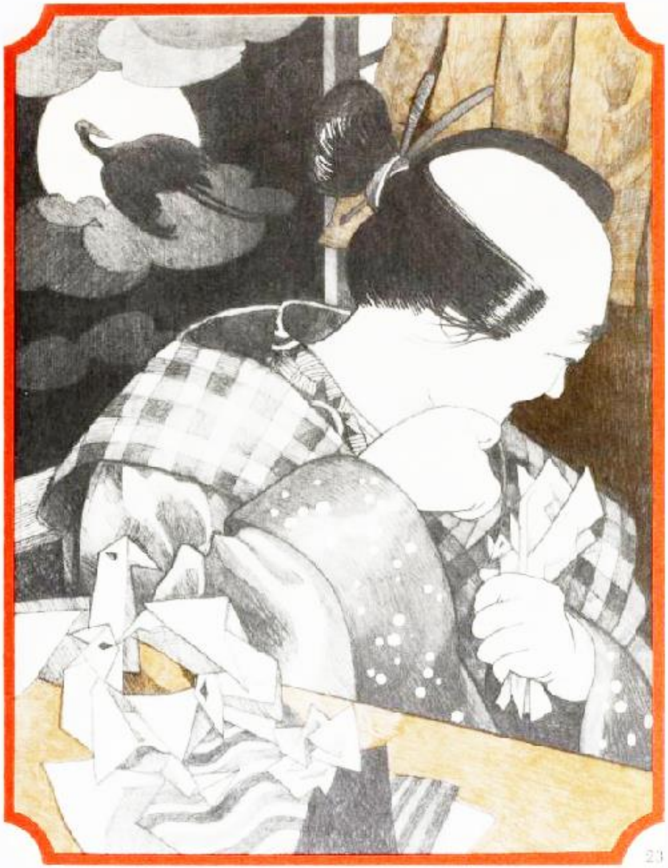
गामी ने अपना सिर नीचे कर लिया और रोने लगा. "मैंने तुम्हें बनाया है," गामी ने कहा, "और अब तुम मुझे फिर से अकेला छोड़कर जा रहे हो. मैं चाहता हूँ कि तुम यहीं रहो."

सारस ने कहा, "तब आपको मुझे फिर से कागज में बदलना होगा."

गामी ने उस आदर्श सफेद सारस को देखा. गामी कागज़ की चिड़िया नहीं चाहता था और वो यह भी नहीं चाहता था कि उसकी आदर्श सारस उड़कर चला जाये.

"पिताजी," सारस ने कहा, "मैं आपको सुनाने के लिए कई कहानियाँ लेकर वसंत ऋतु में वापस आऊँगा. और तब आपके पास मुझे बताने के लिए बहुत कुछ नया होगा."

गामी चुप रहा. उसने नहीं सोचा था कि अगर सारस उसे छोड़ देगा तो उसके पास बताने के लिए बहुत कुछ होगा. लेकिन वो इतना ज़रूर जानता था कि उसके पास अब कोई विकल्प नहीं बचा था. उसे अपने सारस को जाने देना होगा.





लेकिन सारस के झुंड में शामिल हो जाने और उड़ जाने के बाद भी गामी अकेला नहीं रहा. उसके पड़ोसी, जो सबसे पहले सारस को देखने आये थे, फिर भी गामी से मिलने आते रहे. पड़ोसियों ने गामी के साथ अपना भोजन साझा किया और मैत्रीपूर्ण बातचीत से उसकी सर्द सर्दियों के घंटों को गर्म किया. गामी ने अपने पड़ोसियों की बातें सुनीं, और यदि संभव हुआ तो अपने जादू से उनकी मदद भी की. जल्द ही उसके दिन और रात अपने दोस्तों की सुझाई पहेलियों और समस्याओं से भर गए.

लोग अब एक-दूसरे से कहते, "अगर तुम्हें किसी दोस्त की ज़रूरत हो तो फिर जादूगर के पास जाओ." और गामी हमेशा उनकी मदद करके प्रसन्न होता था.

कई महीनों तक गामी इतना व्यस्त रहा कि उसने घास में उगे छोटे-छोटे फूलों या पेड़ों पर निकली कलियाँ पर नज़र ही नहीं डाली. उसका वसंत पर भी ध्यान नहीं गया.





फिर एक दिन जैसे ही गामी के घर को नए सूरज ने अपने प्रकाश से भरा, एक छाया ने उसकी खिड़की को पार किया. जब उसने ऊपर देखा तो उसका आदर्श सारस उसकी दहलीज पर उतर रहा था. गामी खिड़की की ओर दौड़ा, और जब वो सारस के पास पहुंचा, तो वो रुका और उसने धन्यवाद में अपना सिर झुकाया.

गामी ने आख़िरकार कहा, ''अच्छा तुम वापस आ गए हो.''

"और मैं हमेशा वापिस आऊंगा," सारस ने उत्तर दिया. "और मेरे पास आपको बताने के लिए अब बहुत कुछ है. सारस ने एक दूर के बंदरगाह का वर्णन किया जहां छोटी नावें खारे हरे पानी पर तैरती थीं. "मैंने तेजी से बहने वाली नदियों के किनारे अपनी रातें बिताईं और खाने के लिए सर्दियों में कटे अनाज के खेत पाए. मुझे बहुत सी नई जगहें पता चलीं, पिताजी."

"वो बहुत अच्छा है," गामी ने कहा. "मैं भी कई नए लोगों से मिला. पहाड़ी के नीचे बूढ़े मिकी ने एक मुर्गी को छोड़कर अपनी बाकी सभी मुर्गियां खो दीं. इसलिए मैंने उस पर जादू किया ताकि वो मुर्गी जो भी अंडा दे वो जुड़वा हो.'' गामी खुशी से मुस्कुराया और सारस ने सहमति में अपना सिर हिलाया.



"और निश्चित रूप से तुम्हें वो छोटा लड़का याद होगा. वो बीमार लड़का केवल अपने दरवाजे पर अपनी कुर्सी पर ही बैठा रहता था. "उसके लिए,'' गामी ने गर्व से कहा, "मैंने अच्छे मजबूत कागज से, बिना डोर वाली एक पतंग, और बिना पंखों वाला एक पक्षी बनाया. वैसा खिलौना पहले कभी किसी ने नहीं देखा था. वो हवा में तैरता है और हमेशा उस लड़के की गोद में आकर जमीन पर लौट आता है. बाकी बच्चे उसे देखने के लिए चारों ओर से इकट्ठे होते हैं, लेकिन खिलौना केवल उस लड़के के लिए ही काम करता है. मैं निश्चित रूप से उससे प्रसन्न हूँ!"





"आओ, तुम्हें दिखाने के लिए और भी बहुत कुछ है," गामी ने कहा, और फिर वे दोनों एक-साथ शहर की सड़कों पर निकल पड़े. लोगों ने पक्षी का स्वागत करने और धन्यवाद देने के लिए उन्हें रोका. उन्हें लगा कि पक्षी उनके मित्र के पास लौट आया था. और कुछ लोगों ने उन्हें सिर्फ इसलिए रोका क्योंकि उन्हें गामी की मदद की ज़रूरत थी, क्योंकि अब हर कोई जादूगर के अच्छे काम को जानता था.

जब पेड़ों के फूल, धूप के कारण फलों में बदले, तब गामी और उसके सारस ने सड़कों, बाजारों और अपने अच्छे दोस्तों के घरों में लंबे दिन बिताए. और जब गर्मी के महीने बीत गए और फलों को संजोकर रख दिया गया, तो सारस एक बार फिर जाने के लिए तैयार था. गामी को चिंता नहीं हुई क्योंकि वो और उसके पड़ोसी दरवाजे पर खड़े थे और सारस को विदाई की शुभकामनाएं दे रहे थे. गामी जानता था कि उसका सारस वसंत में फिर से वापस आएगा. सारस पक्षी आज भी वापस आते हैं. और क्योंकि सारस पक्षियों को जादूगर का आशीर्वाद प्राप्त है इसलिए वे सदैव जीवित रहते हैं.

